RAJYA SABHA

Monday, the 5th December, 2005/14 *Agrahayana,* 1927 *(Saka)*

The House met at eleven of the clock,

MR. CHAIRMAN in the Chair.

MATTER RAISED WITH PERMISSION OF CHAIR

Demand for Resignation of Shri K. Natwar Singh

श्री शरद यादव (बिहार): सभापति जी, ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: एक मिनट, एक मिनट। ...(व्यवधान)... बैठ जाइए। यहां एक शेर नहीं हैं, कई शेर हैं। ...(व्यवधान)...

श्री शरद यादव: सभापति जी, ...(व्यवधान)... यह पार्लियामेंट चलना चाहिए। यह पार्लियामेंट इस तरह नहीं उठाना चाहिए। ...(व्यवधान)... लेकिन, एक आदमी जबरदस्ती करके ...(व्यवधान)...

ी सभापति: अभी तो क्वैश्चन आवर है। ...(व्यवधान)... अभी तो क्वैश्चन आवर है। .. (व्यवधान)...

DR. T. SUBBARAMI REDDY (Andhra Pradesh): Sir, there should be Question Hour. ...*(Interruptions)*...

श्रीमती सुषमा स्वराज (उत्तरांचल): सर, मुझे तीन मिनट बोलने की अनुमति चाहिए। ... (व्यवधान)...

श्री सभापति: बोलिए, बोलिए। ...(व्यवधान)...

प्रो॰ राम देव भंडारी (बिहार): सर, अभी तो क्वैश्चन आवर है! ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: सभापति जी, ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: एक मिनट। ...(व्यवधान)... बैठिए। ...(व्यवधान)...

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE (West Bengal): Why does she want to speak? ...*(Interruptions)*...

श्री राजू परमार (गुजरात): सभापति जी, क्या आपने इनको बोलने की अनुमति दी है? ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: आप बोलने दीजिए। ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: सभापति जी, आपने मुझे अनुमति दी है। ...(व्यवधान)... सभापति जी, आपने मुझे तीन मिनट की अनुमति दी है। मैं तीन मिनट में अपनी बात समाप्त करूंगी। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: देखिए, एक मिनट सुन लीजिए। ...(व्यवधान)...

प्रो॰ राम देव भंडारी: सर, प्रश्न संख्या 161 बहुत महत्वपूर्ण है। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: एक मिनट। ...(व्यवधान)... एक मिनट, बैठिए। ...(व्यवधान)... अभी सुषमा जी ने मुझसे परमिशन मांगी है। आपकी पार्टी के लोग भी थे। कई माननीय सदस्य वहां थे। मैंने इनको तीन मिनट बोलने की परमिशन दी है। अगर आप सुन सकते हों, तो सुन लीजिए। ...(व्यवधान)... आप मेरी बात सुनिए ...(व्यवधान)... मैं यह चाहता हूं कि यदि इसी तीन मिनट बोलने के आधार पर हाऊस चल सके, तो हाऊस चले। ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: सभापति जी, आपने मुझे तीन मिनट की अनुमति दी है। ...(व्यवधान)...

प्रो॰ राम देव भंडारी: सर, भाषण देने के बाद क्वैश्चन आवर चलेगा, इसकी गारंटी कौन देंगे? ...(व्यवधान)... भाषण चलने के बाद क्वैश्चन आवर चलेगा, इसकी क्या गारंटी है? ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: यह गारंटी न तो मैं लेता हूं, न आप लेते हैं और न ही ये देते हैं। लेकिन, मैं देख रहा हूं कि अगर तीन मिनट बोलने के कारण हाऊस चल सकता है, तो मैं वह प्रयास कर रहा हूं। ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: धन्यवाद सभापति जी। सभापति जी, आपने मुझे तीन मिनट का मौका दिया है। ...(व्यवधान)...

SHRI JANARDHANA POOJARY (Karnataka): Sir, I want to know whether the Question Hour has been suspended. ...*(Interruptions)*...

श्री नीलोत्पल बसु (पश्चिमी बंगाल): सर, सुषमा जी बोलें, इसमें हमारी कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन इसके बाद हम लोगों को भी रेस्पांड करने का मौका मिले। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: एक मिनट। ...(व्यवधान)... मेरी बात सुनिए। ...(व्यवधान)... देखिए श्रीमान् जी, जब मैंने परमिशन दी तो वहां आप भी मौजूद थे। प्रश्न केवल इतना-सा आया था कि

ये तीन मिनट बोलेंगी, तो पचौरी जी ने कहा कि मुझे भी वक्त मिलना चाहिए। ...(व्यवधान)... आप मेरी बात तो सुनिए। ...(व्यवधान)... इतना गुस्सा मत किया करो। .. .(व्यवधान)...आप बैठ जाइए। ...(व्यवधान)... आप इतना गुस्सा मत करो। ...(व्यवधान)... मेरी सुनते जाओ। इस उम्र में गुस्सा करोगे, तो टेंशन हो जाएगा। इसलिए शांति से बोलो। ...(व्यवधान)... आप बैठ जाइए। ...(व्यवधान)... आवाज तेज है, वह तो ठीक है, लेकिन ये तीन मिनट बोल लें, इस पर आपकी ओर से थोड़ा-सा रेस्पांस हो जाए, यह खत्म हो जाए। ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: धन्यवाद, सभापति जी। ...(व्यवधान)...

SHRI JANARDHANA POOJARY: Sir, just ask them whether your allowing her the permission to speak, would ensure the House would function. Let her say so...*(Interruptions)*... They are holding the House to ransom.

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया (झारखंड): सर, यह क्या हो रहा है, आपके कहने के बावजूद भी? आपके कहने के बावजूद भी वे खड़े हो रहे हैं। ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: सभापति जी, आपने मुझे तीन मिनट की अनुमति दी है, मैं तीन मिनट में अपनी बात समाप्त करूंगी। सभापति जी, आज मैं बहुत ही वेदना के साथ अपनी बात कहने के लिए खड़ी हुई हूं। शुक्रवार को जिस घटना के कारण यह सभा स्थगित की गई, वह घटना बहुत बहुत दुर्भाग्यपूर्ण थी।

सभापति जी, लोकतंत्र जिन दो मजबूत पायों पर खड़ा हुआ है, उसमें से एक को सत्ता पक्ष और दूसरे को विपक्ष कहते हैं, लेकिन मुझे दुख से कहना पड़ता है कि शुक्रवार को इस सदन में सत्ता पक्ष ने विपक्ष के अस्तित्व को ही नकार दिया और स्वीकार करने से इंकार कर दिया। ...(व्यवधान)...

सभापति जी, शुक्रवार की सुबह नेता विपक्ष ने एक मांग की कि तेल घोटाले में जो नए रहस्योद्घाटन हुए हैं उन पर प्रधान मंत्री जी आकर के वक्तव्य दें।

श्री आनन्द शर्मा (हिमाचल प्रदेश): प्रधान मंत्री जी आए थे।

श्रीमती सुषमा स्वराज: प्रधान मंत्री आए थे। मैं वही कह रही हूं कि प्रधान मंत्री आए, प्रधान मंत्री ने अपना वक्तव्य सदन में दिया और उसके बाद नेता विपक्ष अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए खड़े हुए। सभापति जी, वह एक चक्र पूरा हो जाता, जो उनकी मांग पर प्रधान मंत्री ने वक्तव्य दिया, उसके बाद नेता विपक्ष अपनी प्रतिक्रिया दे देते। यह एक सर्कल कंपलीट हो जाता, एक चक्र पूरा हो जाता, लेकिन जैसे ही नेता विपक्ष खड़े हुए, जबकि आपने अनुमति दी थी उनको बोलने की, उसी समय सत्ता पक्ष के लोगों ने * बोल दिया।

---

*Expunged as ordered by the Chair.

मुझे दुख से कहना पड़ता है कि उसकी पूरी अगुवाई संसदीय कार्य मंत्री कर रहे थे और प्रधान मंत्री स्वयं यहां मूकदर्शक बनकर बैठे हुए थे। उनका यह मौन सत्ता पक्ष के सांसदों के आचरण पर सहमति की मोहर लगा रहा था। इससे भी ज्यादा दुख यह हुआ कि जब यह सदन स्थगित कर दिया गया और हमने आपसे कहा कि अब यह सभा तभी फिर शुरू होगी, जब नेता विपक्ष बोलेंगे और नेता सदन बैठे होंगे, तो संसदीय कार्य मंत्री ने खुलासा किया कि नेता सदन तो रशिया जा रहे हैं, रूस जा रहे हैं। वैसे तो आज तक यह कभी नहीं हुआ कि जब सदन चल रहा हो, तो प्रधान मंत्री बिना किसी सार्क की बैठक, वगैरह के बाहर जाएं और वे चले गए। ...(व्यवधान)... अगर जाएं भी, ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: एक मिनट, बैठिए तो सही। ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: और अगर जाते भी थे, तो सदन को पूर्व सूचना होती थी। चलिए, वे चले गए और जाने के बाद जो काम उन्होंने यहां मौन रहकर किया, वह काम बाहर जाकर उन्होंने मुंह खोलकर किया। मास्को की धरती पर उन्होंने दो बयान दिए। पहला बयान यह दिया कि बीजेपी के आरोपों में कोई दम नहीं है। प्रधान मंत्री सदन में पूछते, तो हम बताते कि हमारे आरोपों में क्या दम है। और दूसरा बयान, सभापति जी, दूसरा बयान उन्होंने दिया —"I don't attach much significance to what the BJP says." सभापति जी, बीजेपी कोई ऐरी-गैरी पार्टी नहीं है, BJP is not just another political party ...*(Interruptions)*... BJP is a major political party of India *(Interruptions)*... प्रधान मंत्री खड़े होकर मास्को में कहते हैं कि विपक्ष की किसी बात को या किसी आरोप को सिग्निफिकेन्स नहीं देता। ...(व्यवधान)...

SHRI VAYALAR RAVI (Kerala): Sir, are we discussing the Prime Minister's Moscow visit here? ...*(Interruptions)*...

श्रीमती सुषमा स्वराज: सभापति जी, एक नई घटना है कि मथेरानी को यहां बुलाया गया। ...(व्यवधान)... उसका यही पता नहीं है कि वह कहां गए? ...(व्यवधान)... जैसा शरद यादव ही कह रहे थे, ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: अब आप समाप्त करिए। ...(व्यवधान)... बैठिए, हो गई बात आपकी। ...(व्यवधान)... क्वैश्चन–161. ...(व्यवधान)..

श्रीमती सुषमा स्वराज: सभापति जी, रोज रोज कन्ग्यूजन तेल घोटाले में बढ़ रहा है। इसमें हम पूछना चाहते हैं। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: अब बैठिए। आपकी बात की गई। ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: आपने नटवर सिंह को कांग्रेस की वर्किंग कमेटी से निकाल दिया। अगर हमारे आरोपों में दम नहीं है, तो नटवर सिंह को सी॰डब्लू॰सी॰ से क्यों निकाला? अगर हमारे आरोपों में दम नहीं है, तो नटवर सिंह का विभाग क्यों छीना? ...(व्यवधान)... क्यों प्रधानमंत्री ने कहा ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : बैठिए, तीन मिनट हो गए आपके। ...(व्यवधान)... आपके तीन मिनट हो गए हैं, अब आप बैठ जाइए। ...(व्यवधान)... तीन मिनट हो गए, बैठिए। ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज : नेता विपक्ष कल की घटना पर कुछ कहना चाहते हैं। ...(व्यवधान)...

संसदीय कार्य मंत्री तथा सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री प्रियरंजन दास मुंशी): सभापति जी, मैं यह सूचित करना चाहता हूँ कि दोनों सदनों की ...(व्यवधान)... सूचना देकर प्रधान मंत्री जी चले गए। उसकी एक कापी मुझे भी दी गई है। ...(व्यवधान)...

प्रो॰ राम देव भंडारी: सर, यह क्या हो रहा है।...(व्यवधान)...

श्री प्रियरंजन दास मुंशी: सुषमा स्वराज जी ने उन पर जो आरोप लगाया है, उसकी मैं निन्दा करता हूं। ...(व्यवधान)... प्रधान मंत्री जी ने दोनों सदनों का अवगत किया और उनको सूचना देकर ही वे रूस गए हैं। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : ठीक है। क्वेश्चंस, क्वेश्चंस नं॰ 161 ...(व्यवधान)... मैंने एक को अलाऊ किया था। ...(व्यवधान)... मैंने सुषमा जी को अलाऊ किया था। ...(व्यवधान)...

SHRI JANARDHANA POOJARY: Sir, what is happening? ...(*Interruptions*) ... What is happening? ...? (*Interruptions*)...

श्री सभापति : मैं क्या करूं? ...(व्यवधान)... आप लोग बैठ जाइए। ...(व्यवधान)... देखिए, एक मिनट, एक मिनट। ...(व्यवधान)... पाणि जो, आप जरा अपनी सीट पर जाएं। आप तो लाउड स्पीकर की तरह से हैं, आप वहां से आगे आते ही क्यों हैं। देखिए, यह तय हुआ था कि सुषमा जी के बोलने के बाद गवर्नमेंट की तरफ से प्रतिक्रिया होगी। पचौरी जी की जगह यदि उनके मंत्री बोलते हैं, तो आपको आपत्ति क्या है? ...(व्यवधान)... वहां जो बात तय हुई थी, वह यह थी कि केवल सुषमा जी बोलेंगी तीन मिनट के लिए और फिर यह तय हुआ था कि सरकार की तरफ से प्रतिक्रिया दी जाएगी। ...(व्यवधान)...

श्री एस॰एस॰ अहलुवालिया : बात पूरी तरह कहां करने दी गई है।...(व्यवधान)...

श्री सभापति : बात पूरी नहीं करने दी गई, यह बात आप मत कहिए। मुझे आपने तीन मिनट के लिए कहा था, मैं घडी देख रहा था, तीन मिनट से ज्यादा हो गए थे। ...(व्यवधान)... मंत्री जी, आप बोलना चाहें तो बोलिए। ...(व्यवधान)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: बात पूरी नहीं हुई है। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : अब आप अगर ...(व्यवधान)... सरदार जी, देखिए, मैं एक निवेदन करना

चाहूंगा ...(व्यवधान)... अभी 11:15 ही बजे हैं, इसलिए निवेदन कर सकता हूं।...(व्यवधान)... मैं कहना चाहता हूं कि यह बात सही है कि क्वेश्चन ऑवर में इस प्रकार की बातें नहीं होती हैं। क्वेश्चन ऑवर में न कोई स्टेटमेंट होते हैं, न कोई ऐसी बात होती है। लेकिन आपका आग्रह था कि हम तीन मिनट बोलना चाहते हैं ...(व्यवधान)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: काहे का क्वेश्चन ऑवर। ...(व्यवधान)... कानून व्यवस्था है कहां? ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: आप ठहर जाइए। ...(व्यवधान)... आप मुझे बोलने देंगे? ...(व्यवधान)... आप कृपया बैठ जाइए। ...(व्यवधान)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: रात को अंधेरे में ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: आप कृपया बैठिए। बैठिए।...(व्यवधान)... मैं खड़ा हूं, मैं बोल रहा हूं न। आप बैठिए, बैठिए। ...(व्यवधान)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: काहे का क्वेश्चन ऑवर। ...(व्यवधान)... देश के सम्मान का विषय है। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: मैं खड़ा हूं न। ...(व्यवधान)... आप मेरा सम्मान नहीं कर रहे हैं। ...(व्यवधान)... कुर्सी का सम्मान नहीं कर रहे हैं। आप बैठ जाइए। ...(व्यवधान)... मैं इतना निवेदन करना चाहता हूं कि यदि कोई चीज तय होती है तो उसका पूरी तरह से पालन करना चाहिए और आप यह समझते हैं कि वहां, मेरे चैम्बर में, बैठकर आप जो तय करते हैं, उसको लागू नहीं कर सकते ...(व्यवधान)... एक मिनट, एक मिनट, तो मैं आपसे रिक्वेस्ट करुंगा कि चैम्बर में मीटिंग करना छोड़ दीजिए। ...(व्यवधान)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: आप अपने ऊपर क्यों लेते हैं। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: मैं इसलिए लेता हूं क्योंकि मेरे सामने तय हुआ है। मेरे सामने अगर तय नहीं होता तो मैं अपने ऊपर नहीं लेता। ...(व्यवधान)...

श्री यशवंत सिन्हा (झारखंड): आपने फ्राइडे को नेता प्रतिपक्ष को बोलने की इजाजत दी थी, उन लोगों ने बोलने नहीं दिया इनको। ...(व्यवधान)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: उन लोगों ने बोलने नहीं दिया इनको। ...(व्यवधान)...

श्री यशवंत सिन्हा: फ्राइडे को उन लोगों ने नेता प्रतिपक्ष को बोलने नहीं दिया ...(व्यवधान)... क्या हुआ आपकी आज्ञा का? ...(व्यवधान)... आपने आज्ञा दी थी, उन लोगों ने उसकी धज्जियां उड़ाईं। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: जिस प्रकार का वातावरण बना है, मुझे लगता है कि हाउस नहीं चलेगा, इसलिए

मैं सदन की कार्यवाही दोपहर 12.00 बजे तक के लिए स्थगित करता हूं।

The House then adjourned at fifteen minutes past eleven of the clock.

The House re-assembled at twelve of the clock.

[MR. DEPUTY CHAIRMAN in the Chair.]

WRITTEN ANSWERS TO STARRED QUESTIONS

Kendriya Vidyalaya in Buxar

†*161. SHRI BASHISTHA NARAIN SINGH: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) the details of the construction stage of the Kendriya Vidyalaya building situated in Buxar, Bihar;

(b) whether it is a fact that the above school is running in little space lacking in basic facilities for the students;

(c) the action being taken to upgrade this school to the Senior Secondary level; and

(d) the measures being taken to make arrangements for computer class, playground and other necessary facilities?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI ARJUN SINGH): (a) No building is under construction.

(b) The present building, which has been made available by the Distt. Administration is inadequate.

(c) This is not contemplated at present.

(d) Construction of a building with necessary facilities can be planned only after State Government transfers necessary land for the purpose, free of cost.

Discrimination of minorities

*162. SHRIMATI BIMBA RAIKAR: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether the National Minority Commission has alleged that minorities are discriminated against by the academic bodies like UGC, CBSE and AICTE in the matter of reservations in educational institutions and also in

---

†Original notice of the question was received in Hindi.